Title: Alleged partiality against reservation for the Kashmiri Migrants in the Guru Govind Singh Indraprasth University .

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : दिल्ली सरकार द्वारा संचालित गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी द्वारा जो एंट्रेंस टेस्ट हो रहा है, मैं उसका फॉर्म लाया हूं। कश्मीरी माइग्रेन्ट्स के साथ भेदभावपूर्ण नीति और उनकी दुर्दशा के मुद्दे को मैं आपके आदेश से उठाना चाहता हूं। यह यूनिवर्सिटीâ€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, कश्मीरी माइग्रेन्ट्स पर मैंने सुबह-सुबह नोटिस दिया था और चौथे नम्बर पर शून्यकाल में मेरा नोटिस था।â€¦ (व्यवधान) उसके बाद यह नोटिस कोई आया होगा।â€¦ (व्यवधान) यह नोटिस जानबूझकर बाद में लाया गया।â€¦ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : ठीक नौ बजे मेरा नोटिस आया है। मैं कश्मीरी माइग्रेन्ट्स का सवाल उठा रहा हूं। आप जरा दो मिनट

बैठिए।â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : मैं भी उन्हीं की बात कर रहा हूं। मेरा नोटिस पहले है। अध्यक्ष महोदय, आप न्याय करिए। कश्मीरी माइग्रेन्ट्स के ऊपर मेरा नोटिस सबसे पहले है। â€¦ (व्यवधान) लेकिन मुझे अवसर नहीं दिया गया और वहां से अवसर दिया गया है। मुझे इसके ऊपर घोर आपत्ति है।â€¦ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : कोई आपत्ति की बात नहीं है।â€¦ (व्यवधान) मेरा नोटिस यूनिवर्सिटी के बारे में है। यूनिवर्सिटी के अंदर जो कुछ हो रहा है, आप देखिए, मैं फॉर्म साथ लाया हूं। यह यूनिवर्सिटी जब मैं मुख्य मंत्री था, उस समय खुलवाई गई थी और उस समय क्योंकि कश्मीरी माइग्रेंट आये हुए थे, मैंने उनके रिजर्वेशन के लिए इसके अंदर रखा।â€¦ (व्यवधान) यह फॉर्म छपा है, मैं उसके बारे में कह रहा हूं। इस फॉर्म के कॉलम नम्बर 11 में कश्मीरी माइग्रेंट लिखा है। उसके बाद लिखा है, रिलीजन: मुस्लिम, सिख एंड अदर्स। हिन्दू का नाम ही गायब है। दुनिया जानती है कि आज कश्मीरी माइग्रेंट, â€¦ (व्यवधान) या तो सीधे कश्मीरी माइग्रेंट लिखते और उसके बाद लिखना था तो हिन्दू, मुस्लिम और सिख लिखते। केवल इसके अंदर माइग्रेंट लिखने के बाद सिख, मुस्लिम एंड अदर्स लिखा है। मेरे पास कश्मीरी माइग्रेंट आये थे। हमने कश्मीरी माइग्रेंट के लिए रिजर्वेशन रखा है, चाहे वे किसी भी जाति के हों लेकिन केवल मुस्लिम और सिख को ही रखना उचित नहीं है। सरकार को इसके बारे में विचार करना चाहिए। दूसरे, मैं उनकी दुर्दशा के बारे में कहना चाहता हूं। आज 12 साल हो गये हैं। 12 साल से कश्मीरी माइग्रेंट जम्मू और दिल्ली में हैं। कुछ को नौकरी लगवा दी गई है और वे बस गये हैं लेकिन हजारों की संख्या में आज भी दिल्ली के अंदर एक-एक कमरे में पूरा परिवार 12 साल से रह रहा है। 12 साल पहले जो लड़की दस साल की थी, आज वह 22 साल की हो गई है। पिता, माता, बड़ा भाई अपनी पत्नी के साथ और जवान लड़की सभी एक कमरे में सोते हैं। परिवार के परिवार समाप्त हो रहे हैं। मेरा कहना यह है कि अपने ही देश के अंदर लोग शरणार्थी बनकर रह रहे हैं। हम भी 1947 के अंदर शरणार्थी बनकर आये थे और हम दूसरे देश से आये थे लेकिन अपने ही देश के अंदर लोग 12 साल से जम्मू और दिल्ली में शरणार्थी बनकर पड़े हुए हैं। उन्हें मूलभूत सुविधाएं तक मुहैया नहीं हैं। वे इंह्यूमन कंडीशंस में रह रहे हैं। मेरा सरकार से निवेदन है कि जम्मू और दिल्ली के अंदर रह रहे कश्मीरी माइग्रेंट की दशा को सुधारने के लिए उन्हें कोई ऑल्टरनेटिव जगह मिलनी चाहिए। पिछले 12 साल से पूरे के पूरे परिवार एक कमरे में रह रहे हैं। उनके परिवार खत्म हो रहे हैं। मैं होम मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस मामले को वे देखें और उनकी दशा सुधारने के लिए कुछ कदम उठाएं।